वर्ष - 34 अंक - 18 (साप्ताहिक, प्रत्येक गुरुवार) इन्दौर, 12 जून 2025 से 18 जून 2025 मूल्य 1 रुपये पृष्ठ 4

सोने की कलम

आर.एन.आई. रजि. नं. 52089

Email - sonekikalam@gmail.com

प्रधान सम्पादक – चेतन गन्धे , 9893157809

www.sonekikalamnews.com

एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश

241 लोगों की मौत

पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी सवार थे,मौत

अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश का बड़ा हादसा हुआ है। इसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी सवार थे, जिनका इस हादसे में मौत निधन हो गया है। विमान के गिरते ही पूरा इलाका धुएं के गुबार ढक गया था। इसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी सहित 242 पैसेंजर सवार थे, जिसमें 56 ब्रिटिश और 6 पुर्तगाल नागरिक भी थे। विजय रूपाणी लंदन अपनी बेटी व पत्नी से मिलने के लिए जा रहे थे। विजय रूपाणी का नाम गुजरात भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं में आता है। वह भाजपा के उन खांटी नेताओं में गिने जाते हैं, जो शुरू से पार्टी से जुड़े रहे। इसका इनाम भी उनको मिला। उन्होंने 2014 में पहली बार विधानसभा का चुनाव जीता था। 2016 में आनंदीबेन पटेल को हटाकर उनको राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया।

अहमदाबाद। अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आज एयर इंडिया का विमान क्रैश हो गया। अहमदाबाद-लंदन जाने वाला विमान उड़ान भरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। फ्लाइट ने दोपहर 1 बजकर 38 मिनट पर उड़ान भरी थी और उसके 5 मिनट बाद क्रैश हो गया। अहमदाबाद के पुलिस कमिश्नर जीएस मलिक ने बताया कि इस हादसे में विमान में सवार सभी 241 लोगों की मौत हो गई है। एक यात्री के बचने की खबर है। फिलहाल उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनका नाम रमेश विश्वास कुमार बताया जा रहा है। वे 11 सीट पर

सफर कर रहे थे।

मेघानी नगर के रिहायशी इलाके में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। दुर्घटना के बाद कई किलोमीटर तक धुएं का गुबार देखा गया। आशंका है कि प्लेन में 242 लोग सवार थे। प्लेम अहमदाबाद से लंदन जा रहा था। एयरपोर्ट से टेक ऑफ करने के साथ ही एयर इंडिया का ये विमान हादसे का शिकार हो गया।

एएनआई से फोन पर बात करते हुए अहमदाबाद के पुलिस कमिश्नर जीएस मलिक ने कहा, पुलिस को सीट 11ए पर एक जीवित व्यक्ति मिला। एक जीवित व्यक्ति अस्पताल में पाया गया है और उसका इलाज चल रहा है। अभी तक मौतों की संख्या के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि विमान आवासीय क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना में घायल हुए एमबीबीएस छात्रों के बारे में एफएआईएमए डॉक्टर्स एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक डॉ. रोहन कृष्णन कहते हैं, हमें जानकारी मिली है कि विमान बीजे मेडिकल कॉलेज के परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। एमबीबीएस छात्रों के छात्रावास और सुपर स्पेशियलिटी डॉक्टरों के आवासीय ब्लॉक को नुकसान पहुंचा है। हमें 50 लोगों के घायल होने की जानकारी मिली है। पांच लोगों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। वहां खून की जरूरत है।

सभी संभागीय कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली को 15 जुलाई तक अनिवार्य रूप से लागू किया जाये

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में ई-ऑफिस प्रणाली एवं टीएल बैठक आयोजित

◆इंदौर, सोने की कलम।

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज ई-ऑफिस कार्यप्रणाली एवं टीएल (समय सीमा पत्रों की समीक्षा) बैठक संभागायुक्त कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य, डिप्टी कमिश्नर श्री बृजेश पांडे एवं डिप्टी कलेक्टर सुश्री सीमा कनेश सहित कृषि विभाग, शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग आदि विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने विभिन्न विभागों में प्रस्तावित ई-ऑफिस कार्यप्रणाली की समीक्षा की।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी संभागीय कार्यालयों में आगामी 15 जुलाई 2025 तक ई-ऑफिस प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू किया जाये। इस कार्य के लिए जो भी शिक्षण, प्रशिक्षण होना है, उसे गंभीरता के साथ पूरा किया जाये। ई-ऑफिस कार्यप्रणाली के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर इसे समय सीमा में लागू करने के सतत प्रयास किये जायें। उच्च अधिकारी सतत मॉनिटरिंग करें। इस कार्य में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समय सीमा का विशेष ध्यान रखें। इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही और अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। बैठक में बताया गया कि कुछ विभागों में ई-ऑफिस कार्यप्रणाली की शुरूआत हो गई है, लेकिन वह अभी तक पूरी तरह से लागू नहीं हो पायी है।

संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि ई-ऑफिस कार्यप्रणाली को लागू करने के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण लेना आवश्यक है। बैठक में बताया गया कि ई-ऑफिस कार्यप्रणाली को लागू करने के लिए चरणबद्ध कार्ययोजना है। जिसके तहत प्रथम चरण में 20 जून से सभी अधिकारियों/कर्मचारियों की सूची व ईमेल आईडी का निर्माण किया जायेगा, जिसमें सभी कार्यालयों से नाम, पदनाम व कार्य स्थल की जानकारी संकलित कर प्रणाली में प्रविष्ठ किया जाना है। द्वितीय चरण में 25 जून से ई-ऑफिस हेतु आवश्यक हार्डवेयर, कम्प्युटर, स्केनर, प्रिंटर, इंटरनेट एवं कनेक्टिविटी आदि की उपलब्धता का मूल्यांकन किया जायेगा। तीसरे चरण में 1 से 5 जुलाई तक संभागीय मुख्यालय पर जिला प्रमुख अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यशाला का आयोजन होगा। 6 जुलाई को तकनीकी दल का गठन और 10 जुलाई को फाइल लक्ष्यों का निर्धारण और पूर्ण क्रियान्वयन किया जायेगा। बैठक में समय सीमा पत्रों की भी समीक्षा की गई तथा आवश्यक निर्देश दिये गये।

15 जून से 30 जून तक धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जागरूकता एवं लाभ संतृप्ति शिविर का आयोजन होगा

कोई भी जनजातीय समाज का हितग्राही केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से वंचित नहीं रहे- संभागायुक्त श्री सिंह

इन्दौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जागरूकता एवं लाभ संतृप्ति शिविर को लेकर आज बैठक आयोजित की गई। कमिश्नर कार्यालय में आयोजित इस बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य, डिप्टी कमिश्नर श्री बृजेश पांडेसहित शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, महिला एवं बाल विभाग, ऊर्जा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग आदि विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि संभाग के सभी जिलों में आगामी 15 जून से 30 जून तक धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान जागरूकता एवं लाभ संतृप्ति शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में जिस गाँव की जनसंख्या 500 या उससे अधिक है और वहां 50 प्रतिशत से अधिक जनजातीय समाज के व्यक्ति हो, तो उन्हें केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करना है। संभाग में कुल 54 ब्लॉक है, जिसके अंतर्गत 3 हजार 373 जनजातीय वर्ग के ग्राम है। शिविर का उद्देश्य जनजातीय समाज को आर्थिक सशक्तिकरण करना और उन्हें स्वस्थ जीवन प्रदान करना है।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आगामी 15 जून से आयोजित धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जागरूकता एवं लाभ संतृप्ति शिविर में कोई पात्र जनजातीय समाज का व्यक्ति केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से वंचित नहीं रहें। सभी जिलों के कलेक्टर इस शिविर का नेतृत्व करेंगे और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, ऊर्जा विभाग, वन विभाग, सामाजिक न्याय विभाग सहित कुल 18 विभागों के माध्यम से जनजातीय वर्ग को लाभान्वित करना है। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि अधिकारी इस शिविर को गंभीरता से ले और संवेदनशीलता दिखाते हुए पात्र हितग्राहियों के घर तक पहुंचें। जनजाति समाज के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का ठीक प्रकार से प्रचार-प्रसार करें। सभी अधिकारी मैदानी स्तर पर जाकर कार्य करें ताकि सभी हितग्राहियों को मिलने वाले लाभ सुनिश्चित हो सकें। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि जनजातीय वर्ग में सिकल सेल बीमारी से प्रभावित लोगों की संख्या पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, जो व्यक्ति इस बीमारी से पीड़ित हों, उनके कार्ड बनाये जायें और उन्हें दिव्यांगता प्रमाणपत्र प्रदान किया जाये ताकि वह पेंशन के पात्र हो सकें।

"भरोसा करना सीखना जिंदगी के सबसे कठिन कामों में से एक है, और भरोसा तोड़ देना दुनिया के सबसे आसान कामों में से एक।"

संपादकीय

भरोसे की उड़ान पर संकट

अहमदाबाद में हुआ विमान हादसा पूरे देश को गहरे सदमे में डाल गया है। बोइंग 787 ड्रीमलाइनर जैसे अत्याधुनिक विमान का इस तरह हादसे का शिकार होना न केवल दुखद है, बल्कि भारत जैसे तेजी से बढ़ते एविएशन मार्केट के लिए भी चिंता का विषय है। हादसे की असल वजह का पता लगने में वक्त लग सकता है, लेकिन फिलहाल सबसे ज़रूरी है राहत और बचाव कार्य में पूरी दक्षता के साथ जुटना।

चेतन गन्धे
9893157809
सम्पादक

इस हादसे में 242 यात्री सवार थे, और यह इस सदी का सबसे भयावह भारतीय विमान हादसा माना जा रहा है। मई 2010 के मंगलुरू और 2020 के कोझिकोड विमान हादसों के बाद यह एक और काला अध्याय है। हालांकि, पिछले डेढ़ दशक में भारतीय विमानन उद्योग ने उड़ान भरने की दिशा में शानदार प्रगति की थी। UDAN योजना के तहत छोटे शहरों को हवाई नक्शे पर लाना, एयरपोर्ट की संख्या में दोगुनी से ज़्यादा बढ़ोतरी और यात्रियों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि इस दिशा में मजबूत संकेत रहे हैं।

बोइंग ड्रीमलाइनर के साथ यह पहली बड़ी दुर्घटना है, लेकिन इससे जुड़े पुराने तकनीकी सवाल अब और गंभीरता से उठेंगे। पहले भी एक इंजीनियर द्वारा सुरक्षा खामियों की बात उठाई गई थी, जिसे कंपनी ने नकार दिया था। अब हादसे के बाद न सिर्फ बोइंग की छवि को झटका लगा है, बल्कि इसका असर भारत जैसी उभरती हुई एविएशन अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है, जो फिलहाल एयरबस और बोइंग दोनों के साथ सैकड़ों विमानों की डील की तैयारी में है।

भारत आज दुनिया का चौथा सबसे बड़ा विमानन बाज़ार है। ऐसे में यात्रियों का भरोसा बनाए रखना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। सरकार, एविएशन कंपनियों और नियामक संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि हादसों के कारण यात्रियों का मनोबल न गिरे और सुरक्षा मानकों में कोई समझौता न हो।

हादसों से सबक लेकर ही उद्योग आगे बढ़ सकता है। पारदर्शिता, जवाबदेही और त्वरित सुधार ही उस उड़ान की गारंटी देंगे, जो भारत को वैश्विक एविएशन मानचित्र पर स्थायी ऊंचाई दे सकती है।

यह हादसा सिर्फ एक तकनीकी त्रुटि का परिणाम नहीं माना जाना चाहिए, बल्कि हमें यह भी देखना होगा कि क्या कॉर्पोरेट प्रॉफिट, तेज ग्रोथ और प्रतिस्पर्धा के दबाव में सुरक्षा से कोई समझौता तो नहीं हुआ। मीडिया की भूमिका यहां अत्यंत महत्वपूर्ण है—न केवल जानकारी देने के लिए, बल्कि सवाल उठाने के लिए भी। संसद, नागरिक समाज और उपभोक्ता संगठनों को यह देखना होगा कि क्या नियामकों ने समय रहते अपना काम किया या नहीं।

हर हादसा एक अवसर होता है—सीखने का, सुधरने का, और बेहतर भविष्य गढ़ने का। अहमदाबाद हादसा भी एक ऐसी चेतावनी है, जिसे अनसुना नहीं किया जा सकता। एक ओर यह हमें मानवीय संवेदना की कसौटी पर कसता है, वहीं दूसरी ओर हमारे तकनीकी और नीतिगत ढांचे की गहराई से परीक्षा भी लेता है।

अब वक्त है इस संकट से सबक लेने का—not just to repair the damage, but to rebuild the faith. भारत को अगर एविएशन के आसमान में ऊंची उड़ान भरनी है, तो यात्रियों के दिलों में विश्वास की लौ फिर से जलानी होगी।

इंदौर में कोरोना के 53 केस एक्टिव

नए 7 मरीजों की निकाली जा रही ट्रैवल हिस्ट्री

◆इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर में गुरुवार को कोरोना के 7 नए मरीज पाए गए। ये सभी इंदौर निवासी हैं और इन्हें होम आइसोलेट किया गया है। इनकी ट्रैवल हिस्ट्री खंगाली जा रही है। साथ ही, इनके संपर्क में आए लोगों के भी सैंपल लिए जाएंगे।

इन मरीजों सहित, इस साल इंदौर में अब तक कुल 88 कोरोना पॉजिटिव मरीज मिल चुके हैं। इनमें से 76 मरीज इंदौर के हैं, जबकि 12 मरीज अन्य शहरों से हैं।

फिलहाल एक्टिव केसों की संख्या 53 है, जबकि तीन मरीज अन्य बीमारियों के कारण प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती हैं। अब तक 22 मरीजों को होम आइसोलेशन से डिस्चार्ज किया जा चुका है।

इस साल कोरोना से तीन महिलाओं की मौत हुई है। इनमें से एक इंदौर, एक खरगोन और एक रतलाम की रहने वाली थीं। इन सभी को अन्य बीमारियां भी थीं।

सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी ने बताया कि वर्तमान सभी मरीजों की हालत स्थिर है और उनमें केवल हल्के लक्षण हैं। घबराने जैसी कोई स्थिति नहीं है। इनमें से आधे से अधिक मरीजों की ट्रैवल हिस्ट्री रही है। नए मरीजों के सैंपल जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भोपाल लैब भेजे जा रहे हैं।

यूसुफ ने मुकेश बनकर हिंदू बनकर युवती से संबंध बनाए

अश्लील वीडियो बनाकर की ब्लैकमेलिंग

◆इंदौर, सोने की कलम।

शहर के कनाड़िया थाना क्षेत्र की एक टाउनशिप में रहने वाली युवती लव जिहाद का शिकार हो गई। युवती एक पैथोलॉजी लैब में कार्यरत है और उसने आरोप लगाया है कि मुस्लिम युवक ने अपना धर्म और नाम छिपाकर दोस्ती की, फिर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण किया।

जब युवती को युवक की सच्चाई का पता चला और उसने विरोध किया, तो आरोपी ने धमकी दी कि अगर वह मुसलमान नहीं बनी, तो उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो वायरल कर बदनाम कर देगा। युवती की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। पीड़िता ने बताया कि करीब डेढ़ साल पहले एक दोस्त की जन्मदिन पार्टी में आरोपी यूसुफ से मुलाकात हुई थी, जहां उसने खुद को 'मुकेश' नाम से परिचित कराया। धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती गहरी होती गई। यूसुफ अक्सर दोस्तों के साथ शराब पार्टी के बहाने फ्लैट पर आता था। एक दिन जब वह अकेला आया, तो उसने युवती से शादी की बात कहकर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बना लिए। उसके बाद आरोपी पीड़िता को महंगे होटलों, रेस्टोरेंट्स और अलग-अलग कारों में घुमाने ले जाता रहा, जिससे उस पर भरोसा बना रहा। आरोपी ने कई बार पीड़िता के साथ अश्लील हरकतें कीं और वीडियो कॉल के जरिए भी आपत्तिजनक बातचीत की। इस दौरान उसने चुपके से पीड़िता की आपत्तिजनक तस्वीरें और स्क्रीनशॉट ले लिए। पीड़िता ने उससे दूरी बनानी चाही, तो वह इन तस्वीरों के जरिए ब्लैकमेल करने लगा। इस्लाम धर्म कबूल करने का दबाव बनाने लगा। एक पार्टी के दौरान यूसुफ के दोस्तों ने उसके मुस्लिम नाम से बात की, जिससे पीड़िता को शक हुआ। उसने बहाने से आरोपी को बुलाया और उसका पहचान पत्र हासिल कर लिया। उसके बाद बुधवार शाम को पीड़िता ने हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं को बुलाकर आरोपी को पकड़वाया।

जनसुनवाई में किसान ने पिया था एसिड, मौत

तहसीलदार सहित तीन सस्पेंड

सीमांकन और कब्जे के आवेदन के निराकरण में लापरवाही

◆इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर के देपालपुर क्षेत्र में एक किसान के सीमांकन और कब्जे के आवेदन के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इस संबंध में कमिश्नर दीपक सिंह और प्रभारी कलेक्टर गौरव बेनल ने संबंधित तहसीलदार सहित तीन अन्य कर्मचारियों को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

कमिश्नर दीपक सिंह ने तत्कालीन प्रभारी तहसीलदार देपालपुर जगदीश रंधावा को निलंबित कर उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू की है। इसी तरह प्रभारी कलेक्टर गौरव बेनल ने देपालपुर क्षेत्र में पदस्थ पटवारी अल्केश गुप्ता और तत्कालीन सहायक ग्रेड 3 रीडर देपालपुर रीना कुशवाहा को निलंबित कर विभागीय जांच करने के आदेश दिए हैं।

इसी तरह पूर्व से निलंबित राजस्व निरीक्षक नरेश विवलकर के खिलाफ विभागीय जांच करने के आदेश भी दिए गए हैं। यह कार्रवाई अपर कलेक्टर राजेंद्र रघुवंशी द्वारा की गई जांच में संबंधित तहसीलदार और कर्मचारियों की लापरवाही पाई जाने पर की गई है।

देपालपुर के लिलेंडीपुरा निवासी किसान करणसिंह (65) ने मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान एसिड पी लिया था। इलाज के दौरान देर रात उनकी मौत हो गई। दरअसल, किसान ने जिन लोगों के खिलाफ शिकायत की थी, उनमें इमरान पिता नवाब, नवाब पिता घिसा, मांगू सरपंच ताकि खां और अकिरम पिता सूरमा शामिल थे। उनका आरोप था कि इन लोगों ने उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया है। करणसिंह इस बात से आहत थे कि नपती (सीमांकन) के बाद भी अधिकारियों ने उन्हें कब्जा नहीं दिलवाया। वे लंबे समय से इसके लिए चक्कर काट रहे थे और सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत की थी, लेकिन उसका निराकरण नहीं हुआ।

अफसोस यह कि करणसिंह की मौत के बाद बुधवार को जिला प्रशासन ने अग्रिम कब्जा दिलवा दिया लेकिन सुनवाई जारी रखी। इसके साथ ही प्रभारी कलेक्टर गौरव बैनल ने मामले की फैक्ट फाइंडिंग के लिए एडीएम राजेंद्र रघुवंशी को जांच सौंपी।

एडीएम रघुवंशी ने पूरे मामले की मैदानी और दस्तावेजी तस्दीक की। इसके साथ ही मौके की स्थिति को जाना। फिर गुरुवार को प्रभारी कलेक्टर को रिपोर्ट सौंपी। इसके बाद देर रात कमिश्नर और प्रभारी कलेक्टर ने लापरवाह तहसीलदार सहित तीन को सस्पेंड कर दिया।

बाल श्रमिक रखना दण्डनीय अपराध है

इन्दौर। सहायक श्रमायुक्त कार्यालय इंदौर में 12 जून विश्व बालश्रम निषेध दिवस पर जिला टास्क फोर्स कार्यशाला का आयोजन किया गया। तदुपरांत टास्क फोर्स के सदस्यों द्वारा मोती तबेला, राजवाडा एवं सराफा क्षेत्र में जन जागरूकता अभियान चलाया गया एवं बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी गई। जनजागरूकता अभियान में जानकारी दी गई कि अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत 14 वर्ष तक के बाल श्रमिक का खतरनाक एवं गैर खतरनाक सभी प्रकार के नियोजनों में नियोजन पूर्णत: प्रतिबंधित है। इसी प्रकार अधिनियम की धारा 3 ए के अंतर्गत 14 से 18 वर्ष के कुमार श्रमिकों का खतरनाक उद्योगों में नियोजन प्रतिबंधित है। बाल श्रमिक पाये जाने पर 20 हजार रूपये से 50 हजार रूपये तक का जुर्माना एवं 6 माह से 2 वर्ष तक के कारावास की सजा है।

आंधी-तूफान

108 की रफ्तार से चली हवा से 250 पेड़ गिरे

◆इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर के अधिकतर क्षेत्र में गुरुवार शाम तेज आंधी चली। हवा की रफ्तार 108 किमी प्रतिघंटा रही, जिससे पूर्वी क्षेत्र में 250 से ज्यादा पेड़ तिनकों की तरह जड़ से उखड़ गए। घरों की छतों पर लगी सोलर पैनल उड़कर दूर जा गिरी। कई रास्ते जाम हो गए तो सैकड़ों कॉलोनियों की बिजली घंटों तक गुल रही। वहीं पूर्वी रिंग रोड से लेकर बायपास तक के हिस्सों में तेज बारिश हुई। महादेव तोतला नगर में आंधी से एक पेड़ का आधा हिस्सा उड़कर घर पर आ गिरा। इसके अलावा खंडवा, खरगोन और छिंदवाड़ा में एक-एक इंच बारिश हुई। बैतूल, शहडोल और देवास में आधा-आधा इंच पानी गिरा।

मौसम बिगड़ने से शहर के 560 फीडरों में से 60 की आपूर्ति प्रभावित हुई

मौसम बिगड़ने, तूफानी हवा, तेज वर्षा से शहर में बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ा। शहर के 11 केवी के कुल 560 फीडरों में से 60 फीडरों की आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई। शहर अधीक्षण यंत्री डीके गाठे ने बताया कि शहर के पांचों डिविजनों से संबद्ध निम्न दाब एवं उच्च दाब टीमों ने मोर्चा संभाला और कम समय में आपूर्ति व्यवस्था सामान्य करने के प्रयास प्रारंभ किए। इसी कारण शाम 6 बजे तक प्रभावित 60 फीडरों में से 42 फीडर सामान्य कर लिए गए।

शहर अधीक्षण यंत्री ने बताया कि करीब 12 स्थानों पर लाइनों, ट्रांसफार्मरों पर पेड़ की बड़ी डाली या पूरा पेड़ गिरने से व्यवस्थाएं प्रभावित हुई थी। कार्मिकों ने इस जोखिम भरे कार्य को दो घंटे से कम समय में पूर्ण कर अधिकांश स्थानों से पेड़ हटाकर, अन्य जरूरी कार्य कर आपूर्ति सामान्य की।

अधीक्षण यंत्री ने बताया कि शाम को ही पोलोग्राउंड स्थित पावर ट्रांसमिशन कंपनी के चंबल ग्रिड में भी तकनीकी खराबी आने से करीब आधे घंटे बिजली वितरण प्रभावित रहा, ट्रांसमिशन कंपनी से समन्वय स्थापित कर इसे सीमित समय में ठीक कराया गया।

शहर में गुरुवार शाम आपूर्ति व्यवस्था संधारण में करीब 600 कर्मचारी लगे, इसमें 30 इंजीनियर भी शामिल थे। अधीक्षण यंत्री ने बताया कि शाम की अवधि में शहर वृत्त के अधीन जोनों की टीम ने 600 से ज्यादा व्यक्तिगत शिकायतों का भी समाधान किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक चेतन गन्धे के लिए चेतन ग्राफिक्स, 135, नगर निगम मार्केट, सुभाष मार्ग, वीआईपी स्टेशनरी के सामने, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 109, बाणगंगा मेनरोड़, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक: चेतन गन्धे, मो. : 9893157809 Email : sonekikalam@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।)